एम.एच.डी.-17

हिन्दी में स्नातकोत्तर उपाधि (एम.ए. हिन्दी)

सत्रांत परीक्षा

एम.एच.डी.-17 : भारत की चिंतन-परंपराएँ और दलित साहित्य

समय : 2 घण्टे *अधिकतम अंक : 50*

नोटः निम्नलिखित में से किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिये। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

1. 'क्षणिकवाद' की प्रमुख विशेषताओं की व्याख्या कीजिये। 10

2. 'वीरशैव पंथ' का साहित्य पर क्या प्रभाव पड़ा स्पष्ट कीजिये। 10

3. सिद्ध परंपरा में स्त्री का क्या स्थान था? समीक्षा कीजिये। 10

4. 'आर्य असंग' का रचनात्मक योगदान की समीक्षा कीजिये। 10

5. बौद्धधर्म के विकास में अश्वघोश के योगदान की समीक्षा कीजिये। 10

6. कन्नड़ भक्ति साहित्य की पृष्ठभूमि की चर्चा करते हुए उसके विकास पर प्रकाश डालिये। 10

7. निर्गुण संत परंपरा का समाज पर क्या प्रभाव पड़ा स्पष्ट कीजिये। 10

8. चार्वाक दर्शन ने दलित साहित्य को किस तरह से प्रभावित किया स्पष्ट कीजिये। 10

9. लोकायत परंपरा के ऐतिहासिक महत्व को बताते हुए उसकी वैचारिकी पर प्रकाश डालिये। 10

10. निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर टिप्पणियाँ लिखिये: 2×5=10

(क) विज्ञानवाद

(ख) मिलिन्द प्रश्न

(ग) बसवेश्वर का स्त्री चिन्तन

(घ) वचन साहित्य

—x—